

VCR



interweb.in

Radio + Tape Recorder



VCR



INFORMATION

सूचना का अर्थ एक विचार या संदेश है जो एक व्यक्ति दूसरों तक पहुँचाना चाहता है। सूचना शब्द को विभिन्न तरीकों से प्रयोग किया जाता है। वे शब्दों आँकड़ों और सूचनाओं का बहुत प्रयोग किया जाता है जो कि आपस में सम्बंधित होते हैं। कोई भी सूचना या आँकड़े किसी भी लक्ष्य गठना या निर्णय का आधार होते हैं। दूसरे शब्दों में सूचना वह आँकड़ा है जिसका अर्थ विक्रियत होता है। यह अर्थ एवं विचार के साथ तर्क मिलाए जाते हैं एवं तर्क के प्रत्येक दिन सूचना को बहुत सी विविधता संसार से जुड़ी रही है। प्रतिदिन उपलब्ध होने वाली सूचनाओं की मात्रा इतनी बढ़ी है कि हम इससे तात्पर्य निकालने में असमर्थ हैं। इन दिनों सूचना बहुत से रूप में सस्तरत को जा रही है, जैसे:-

- इमेज (Image)
- एनिमेशन (Animation)
- ग्राफिक्स (Graphics)
- ऑडियो (Audio)
- वीडियो (Video)

सूचना कुछ लाभदायक उद्देश्य के लिए भेजी जाती है। सूचना के आँकड़े होते हैं, जिन्हें किसी स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।



Epidiascope

Technology

संसार में तकनीकी विकास के कारण बड़ी
 त्रिज्या से परिवर्तन हो रहे हैं। तकनीकी का
 प्रयोग व्यापक रूप से देखा जाता है। आंशिक
 तकनीकी ज्ञान अतिरिक्त के प्रत्येक पक्ष को
 प्रभावित किया है। यहां तक कि शिक्षा का
 क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा। अब तकनीकी
 आंशिक से बदलकार चिंतन तकनीकी का
 प्रक्रिया में व्यस्त है। बहुत जल्द ही इस चिंतन
 तकनीकी का प्रयोग समाज में उपलब्ध होगा।

वर्तमान समय में अधिकतर योजनाएँ
 आंशिक तकनीकी पर आधारित हैं। तकनीकी
 विकास के कारण ही सुचना का क्षेत्र प्रत्येक
 तीन वर्ष में दोहरा प्रत्यय लेता है। जब
 व्यक्ति कोई सुचना दूसरों तक पहुँचाना है तो
 उस सुचना का कोई न कोई उद्देश्य होता है।
 उस उद्देश्य के लिए तकनीकी तरीका हमेशा
 प्रयोग किया जाता है। बहुत पुराने समय में
 संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक कुछ
 पक्षियों का प्रयोग किया जाता था। धीरे-धीरे
 इन पक्षियों अस्तित्व में आई और संदेशों
 को तुरंत ही परिवर्तन हुआ। फिर
 भी सुचना के साथ-साथ नई तरीके विकसित
 हुए और इस प्रकार टेलीग्राफ प्रणाली में
 संदेशों को गति तंत्र कर दिया।
 आसपास पर, टेलीफोन और फिर वायुमार्ग
 से संसार प्रक्रिया में और अधिक



DVD Player

उद्योगों की आधुनिक विज्ञान पर आधारित
 कई प्रायोगिक प्रयोगों में लाई जा रही
 है और अधिक अच्छे तरीके से मानव
 जाति की सेवा की जा रही है।


 x

Tape Recorder



INFORMATION TECHNOLOGY

सूचना, तकनीकी विभिन्न तरीकों, सूचनाओं
 आँकों के प्रस्तुतिकरण तथा सूचना और
 आँकों के आण्डरण का विधियों का संग्रहण है।
 ये सभी कार्य करने के लिए कम्प्यूटर एक रोसा
 यह है जिसका प्रयोग विश्व के हर कोने में ही
 रहा है। सूचना तकनीकी ने हमारे जीवन को कम्प्यूटर
 के माध्यम से अत्याधिक प्रभावित किया है।
 उदाहरणार्थ हवाई जहाज का टिकट बुक करना
 खेले का टिकट बुक करना, इंटरनेट पर जीत खरीदना
 व बैंक, बैंक का कारोबार, प्रोजेक्ट, डिजाइन, खोज आदि।
 सूचना तकनीकी ने वास्तविक विधियों का श्याम ले लिया है।
 सूचना तकनीकी में कम्प्यूटरिंग और संगणक तकनीकी
 दोनों को ही शामिल किया जाता है। सूचना तकनीकी में
 विभिन्न पक्ष होते हैं जैसे - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर इंटरफेस।
 सूचना तकनीकी का संबंध सूचना के संग्रह
 संग्रहण, प्रोसेसिंग, आण्डरण प्रस्तुतिकरण और
 प्रसार करने से है। इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर
 का टेलीफोन इत्यादि शामिल है।
 सूचना तकनीकी एक रोसा व प्रौद्योगिकी
 है जिसकी सहायता से सूचनाओं या आँकों का
 अवांश्वत अर्थ, विश्वसनीयता के साथ इकट
 करने, संग्रह करने, संचालन करने का प्रयत्न
 किया जाता है।



Computer

COMPUTER

कम्प्यूटर, धातु, प्लास्टिक व लोहे का एक सम्मिश्रण है जो औद्योगिक समाज को असमर्थ समाज में परिवर्तित कर रहा है। कम्प्यूटर शक्तिशाली रूप से वह सब संयंत्र या यंत्रिका है जो संगणना अथवा गणना करता है।

कम्प्यूटर एक ऐसा यंत्र है जो डेटा को इनपुट पर स्वीकार कर कुछ जोड़, तोड़ द्वारा संयोजित कर आउटपुट पर संबंधित परिणाम दर्शाता है। कम्प्यूटर एक ऐसा विद्युत यंत्र है जो प्रदत्तों एवं सूचनाओं का संचालन करती है तथा निर्देशों के अनुसार अपना विश्लेषण करके अल्प समय में शुरु एवं विश्लेषण परिणाम प्रस्तुत करती है।

कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द computer से हुई है। इसका अर्थ है गणना करना। अतः तांत्रिक दृष्टिकोण से किसी भी गणना युक्त को कम्प्यूटर कहा जाता है।

- | | | | | |
|---|---|-----------|------------------|--------------|
| C | → | Calculate | गणना करना | Commonly |
| O | → | Operate | संचालित करना | operating- |
| M | → | Minimise | समृद्धि में करना | Machine |
| P | → | Print | छपाना | Particularly |
| U | → | Update | आधुनिक करना | Used for |
| T | → | Tabulate | सारणी बनाना | Teaching |
| E | → | Edit | सम्पादन करना | Education |
| R | → | Response | अनुत्तर | Research |



DEVELOPMENT OF COMPUTER

सन् 1946 से बाद से आज तक काम्प्यूटर के विकास की प्रक्रिया निरन्तर चल रही है। काम्प्यूटर को निम्न पांच पीढ़ियों में बाँटा जा सकता है -

प्रथम पीढ़ी के काम्प्यूटर			
द्वितीय " " "	"	"	"
तृतीय " " "	"	"	"
चतुर्थ " " "	"	"	"
पंचम " " "	"	"	"

प्रथम पीढ़ी के काम्प्यूटर →

इस पीढ़ी के काम्प्यूटर में प्रयोग किया गया का कार्यकाल 1952 से 1958 माना गया है। इस पीढ़ी के काम्प्यूटर में प्रयोग किया गया मुख्य पदार्थ या लक्ष्य वैक्यूम ट्यूब था। इलेक्ट्रॉनिकी का काम्प्यूटर के निर्माण में अंग्रेजी J. B. M ने 1952 में काम्प्यूटर मॉडल 101 बनाया। इस काम्प्यूटर में मेमोरी स्तर को लिथ मीमेट टेप के साथ कैशेड और अल्गाधिक मेमोरी के लिथ चुम्बकीय ड्रम का लक्ष्य प्रयोग किया जाता था।

द्वितीय पीढ़ी के काम्प्यूटर →

इस पीढ़ी का कार्यकाल सन् 1959 से 1964 तक माना गया। इस पीढ़ी के काम्प्यूटरों में प्रयोग किया गया इलेक्ट्रॉनिक पदार्थ ट्रांजिस्टर था। ट्रांजिस्टर का आविष्कार सन् 1948 में Baselen, अल्मैन और Snobby ने किया था।



Slide Projector

ट्रांजिस्टर, ट्रांसफर रजिस्टर का संक्षिप्त रूप है। एक छोटा सा ट्रांजिस्टर छोट से स्थान में बहुत कम विद्युत ऊर्जा खर्च करते एक वैक्यूम ट्यूब के बराबर का सकता है।

द्वितीय पीढ़ी के कंप्यूटर → कंप्यूटर के विकास की इस पीढ़ी का कार्यालय 1965 से 1970 तक माना गया है। इस पीढ़ी के कंप्यूटर में प्रयोग किया गया मुख्य इलेक्ट्रॉनिक युग्म वरिष्कृत परिपथ था। एक IC में ट्रांजिस्टर, रजिस्टर और कैपेसिटर तीनों को ही सम्मिलित कर लिया गया।

तृतीय पीढ़ी के कंप्यूटर → कंप्यूटर के विकास की इस पीढ़ी का कार्यालय सन् 1971 से 1986 तक माना गया है। सन् 1970 में अमेरिका की अन्तः राष्ट्रीय एडवान्स्ड रिसर्च एगेंसी (ARPA) द्वारा Altair and Soft के नाम से माइक्रो प्रोसेसर पर आधारित कंप्यूटर बाजार में प्रस्तुत किया गया। यही विश्व का पहला माइक्रो प्रोसेसर युक्त कंप्यूटर था।

चतुर्थ पीढ़ी के कंप्यूटर → कंप्यूटर के विकास की इस पीढ़ी का कार्यालय सन् 1985 से शुरू हुआ है। हमारे वर्तमान में प्रयोग किये जाने वाले कंप्यूटर चतुर्थ पीढ़ी के हैं। इस पीढ़ी के अन्दर सुपर कंप्यूटर एवं नई तकनीक, गैनेटिक्स का विकास हुआ।



CHARACTERISTICS OF A COMPUTER

गति → कम्प्यूटर गणनाएं बहुत तेज गति से करते हैं।

शुद्धता एवं विश्वसनीयता →

कम्प्यूटर का डिजाइन इस प्रकार बनाया जाता है ताकि उसके घटकों का निरक्षरता जिन एवं विश्वसनीयता हो वे बिना थके हुए बहुत ज्यादा शुद्धता से काम करते हैं।

जानावर एवं स्मृति →

कम्प्यूटर की जानावर एवं स्मृति प्रणाली अत्यंत होती है। एक कम्प्यूटर प्रणाली इससे बहुत सी जानकारी स्तोर कर सकती है।

आसक्ति → यह कम्प्यूटर के निर्दिष्ट निर्देशों के काम को करके लेने एवं स्तोर करने की क्षमता है। निर्देशों का ऐसा काम प्रोग्राम कहलाता है और वे कम्प्यूटर की भाषा में लिखे जाते-चाहिये।

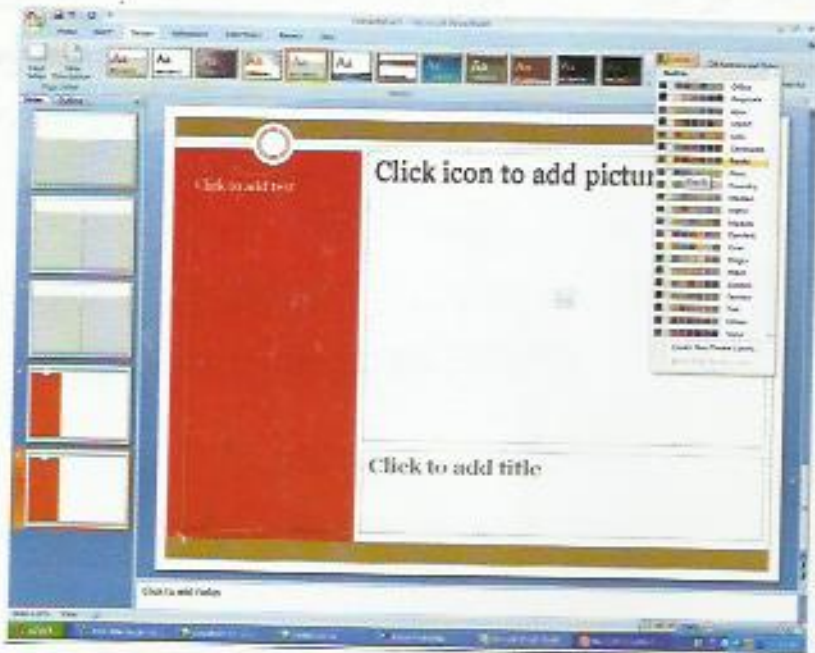
निर्देशों की श्रेष्ठता →

कम्प्यूटर, हरियर बहुत अधिक विशेष प्रक्रिया द्वारा श्रेष्ठ आसक्ति से काम करता है इसलिए असफलता के अकारण बहुत काम होते हैं।



CAPABILITY OF A COMPUTER

कम्प्यूटर मनुष्यों से तेज गणनाएँ करते हुए
 अत्यधिक गति को प्रकट करते हैं।
 कम्प्यूटर बिना मनुष्यों के कार्यों का
 दोहराते हैं और मनुष्यों का शकालह
 से बचाते हैं।
 कम्प्यूटर अलगाव मनीषण का साधन होते
 हैं।
 शैक्षणिक उपयोग



WORK OF COMPUTER

मनुष्य अपने उच्छ्रित एवं अमूल्य गुणों के कारण आज हमारे जिवन के प्रत्येक क्षण में स्थान प्राप्त करता जा रहा है। इसके मुख्य कार्य इस प्रकार हैं।

1. 1. कंप्यूटर गणनाओं बहुत तेज गति से करते हैं।
2. 2. कंप्यूटर जनकारी प्रदान करते हैं जिसका प्रयोग हम निर्णय लेने के लिए प्रयोग करते हैं।
3. 3. कंप्यूटर मनोरंजन का महत्वपूर्ण साधन है।
4. 4. कंप्यूटर समाज को विभिन्न क्षेत्रों में नई गतिविधियां करना एवं अधिक निपुणतापूर्वक कार्य करने के योग्य करते हैं।
5. 5. कंप्यूटर बिना शकें हुए श्रद्धता से कार्य करता है।
6. 6. कंप्यूटर इनपुट साधनों से सूचना पढ़ता और कोड भाषा में अंतर करता है।
7. 7. कंप्यूटर अपने अंदर प्रोग्राम निर्देश एवं डाटा को स्टोर करता है।
8. 8. कंप्यूटर सूचना झांढी करता है और प्रयोगकर्ता को इसे प्रस्तुत करता है।
9. 9. कंप्यूटर परीक्षा परिणामों को जगते में हमारी सहायता करता है।
10. 10. कंप्यूटर विभिन्न विषयों को अच्छी तरह सीखने में सहायता करता है।
11. 11. कंप्यूटर में विद्यार्थियों को रिकॉर्ड को स्टोर कर लिया जाता है और एक रिकॉर्ड में किसी भी विद्यार्थी के बारे में सूचना प्राप्त की जा सकती है।



COMPUTER PROGRAMMING

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का अर्थ कम्प्यूटर का उस भाषा में निर्देश होना होता है जिसे वह समझता है। ऐसे निर्देश तीन भाषाओं में लिखे जाते हैं।

- (a) मशीन भाषा
- (b) उच्च स्तरीय भाषा
- (c) असेम्बली भाषा

1) मशीन भाषा →

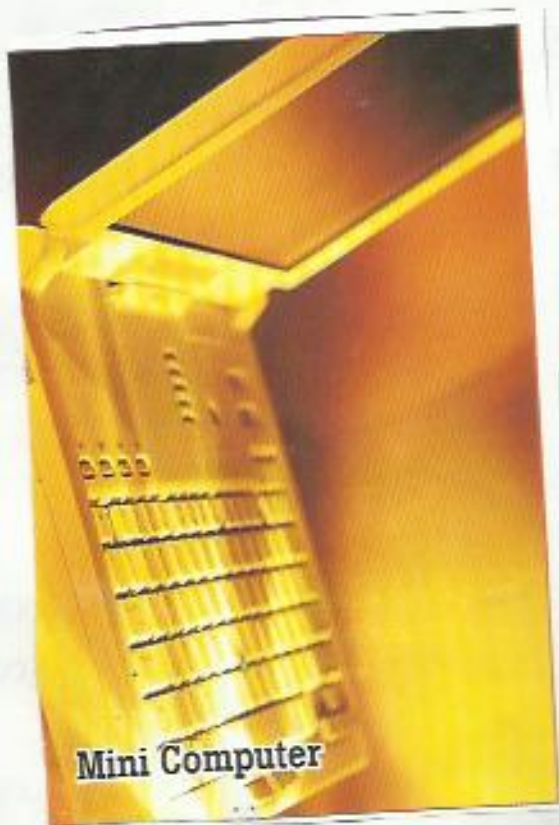
यह कम्प्यूटर को निर्देश देने की दिमागी प्रणाली उदाहरण (0) अथवा (1) की सहायता से लिखे जाते हैं। एक दिमागी भाषा में लिखा गया प्रोग्राम जिस प्रत्येक स्तर में कार्यान्वित करने के लिए कम्प्यूटर में जाट किया जाता है, मशीन भाषा कहलाता है।

2) उच्च स्तरीय भाषा →

भाषा का एक समूह रखा गया है जो हमारे, मनुष्यात्मक के बहुत समान है, इसी प्रकार की भाषा का समूह अपने सीमित उपयोग के कारण उच्च स्तरीय भाषा कहलाता है, उच्च स्तरीय की भाषा में प्रकट किया गया प्रोग्राम पहले मशीन भाषा में परिवर्तित करना पड़ता है।

3) असेम्बली भाषा →

असेम्बली भाषा उच्च स्तरीय भाषा एवं मशीन भाषा में एक समझौता है। यह संख्या संबंधी क्रियाओं के लिए एवं अड्रेस एवं अल्फाबेटिक प्रतीकों के प्रयोग की अनुमति देता है। भाषा प्रोग्रामर के लिए उच्च स्तर की लयक बनाए रखता है।



Mini Computer

CLASSIFICATION OF COMPUTER

कम्प्यूटर की कार्यक्षमता एवं आकार तथा कीमतों को ध्यान में रखते हुए इसे विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

1. Micro Computer
2. Mini computer
3. Main Frames Computer
4. Super Computer

1. Micro Computer →

इसे अंत में मत मयूटस कम्प्यूटर भी संबोधित किया जाता है। ये एक आकार के तथा कम कीमत वाले होते हैं। इन्हें micro computer का नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इसमें micro processor को काम में लिया जाता है इन्हें एक बार में एक ही व्यक्ति व्यक्ति द्वारा काम में लिया जाता है। अतः इन्हें personal computer का संज्ञा भी दी गई है।

2. Mini Computer →

ये micro computer की तुलना में आकार में अधिक होते हैं। इनकी कीमत भी अधिक होती है। इसका कार्य भी उससे बेहतर होता है। ये तेजी से कार्य करते हैं। इन्हें एक से अधिक उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाया जा सकता है।

3. Main Frames Computer →

मैन फ्रेम कम्प्यूटर, मिनो



Laptop

जैसे काम्यूटरों से बहुत अधिक शक्तिशाली तथा तेज स्फुटार वाले होते हैं। उनमें बहुत अधिक आणविक क्षमता पाई जाती है। ये एक समय में हजारों की संख्या में काम्यूटर को एक खंभे के रूप में अपनी खोखले प्रदान कर सकते हैं। हजारों कर्मचारियों तथा ग्राहकों के रिकार्ड को संभालना तथा ऑन-लाइन संचालन प्रदान करना आदि जहाँ इसी प्रकार के काम्यूटरों के माध्यम से सफल हो सकती है। बहुत बड़ी तादाद में इस तरह एक उपयुक्त खंभे के रूप में एक अच्छा माध्यम बनने की क्षमता के कारण उन्हें वाइड इन्फोर्मा नेटवर्क शक्ति क्षेत्र में अच्छी तरह कार्य में लाया जा सकता है।

4. **Super Computer** → काम्यूटर के काम करने की शक्ति स्फुटार तथा क्षमता आदि में यह सबसे ऊपर विशिष्टता है। अन्य काम्यूटरों की तुलना में ये सबसे महंगे की अवस्था होते हैं परन्तु इनके स्फुटार की तथा काम करने की शक्ति तथा क्षमता की कोई सीमा नहीं। बहुत महंगा होने के कारण उन्हें आम लघु तथा स्वदेश द्वारा प्रयोग में नहीं लाया जाता। कोई बहुत बड़ी सार्वजनिक संस्था या निजी कम्पनी को राष्ट्रीय या अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित होते हैं तथा जिसका कार्य क्षेत्र भी विशिष्ट होता है, ऐसे काम्यूटरों का प्रयोग करते हुए पाई जा सकता है। इसकी विश्वसनीयता व बखाल भी बहुत की होती है।



COMPONENTS OF PERSONAL COMPUTER

कम्प्यूटर का महत्वपूर्ण भाग Hardware कहलाता है। इसको मुख्य रूप से तीन युक्तियों में बांटा जा सकता है-

1. Input device unit
2. Output device unit
3. Central Processing unit (C.P.U)

Input Device Unit → जिस महत्वपूर्ण उपकरण का सहायता से कम्प्यूटर को memory सूचनाओं और निर्देश प्राप्त होते हैं, इनपुट डिवाइस कहलाता है। इन उपकरणों में मुख्य रूप से keyboard, mouse, micro. Pen, Scanner आदि गिंते आते हैं, जिनका वर्गीकरण इस प्रकार है।

Keyboard → कम्प्यूटर का यह इनपुट डिवाइस लक्ष्य राइटर, जैसा है। कम्प्यूटर में डाटा प्रवेश के लिए इसमें 1 key होती है। इन key पर A से Z का अक्षर 0-5 का अक्षर चिन्हें लक्ष्य राइटर का तरह चिह्न होते हैं। keyboard पर इसके अलावा कुछ और भी key होती हैं जैसे :- Numeric keys, special key आदि।

Mouse → यह एक ऐसा उपकरण है जिसकी 1 key को जमते कम्प्यूटर स्क्रीन पर cursor या pointer से गतिविधियां को नियंत्रित करने के लिए काम में लाया जाता है। इसे mouse इसलिए कहते हैं कि इसका आकार चूहे जैसा mouse with tail से मिलता है।



Scanner

Light Pen → हमारे खिसमे वरते की के की तरह यह आगे से केर-परिष्कृत की तरह चुकाले आकार का उपकरण है। केर की तरह ही इसे कांप्यूटर स्क्रीन पर चित्र या अन्य graphics बनाने के लिए तथा किसी भी आइकन की ओर इंगित करते उसे खदेकत करने में प्रयोग में लाया जा सकता है।

Scanner → इसको एक ऐसा इनपुट उपकरण समझा जाता है जो कागजों पर लिखने वाला और चित्रित और मुद्रित सामग्री को पढ़ने और उसे एक उपयुक्त कोड आसा जिसे कांप्यूटर महते है। परिवर्तित करने में प्रकाशगामी क्षमिता विज्ञाता है। कांप्यूटर केर में हम दो प्रकार के scanner प्रयोग करते है, Flat Bed Scanner तथा Hand Held Scanner। जो हमारे पास कोई सचना, पूरे पुरस्कीय भाषा में लिखी हो या चित्रित हो उन्हें इ-की सहायता से कांप्यूटर डाटा में shift किया जाता है। इसके अतिरिक्त track ball, micro pen, Joy Stick आदि इनपुट उपकरण होते है।



Injet Printer



Laser Printer

OUTPUT DEVICE

कम्प्यूटर द्वारा प्रदान की गई या उसे बाहर आने वाली कोई भी सूचना या परिणाम को output कहते हैं। इन output devices में मॉनिटर, प्रिंटर, स्कैनर, लोडर आदि आते हैं।

Printer →

मुद्रक भी जो कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखाई दे रहा है उसको विभिन्न दस्तावेज के रूप में अपने पास रखना चाहते हैं तो उसके लिए आपको एक अन्य output उपकरण का प्रयोग करना होता है, जिसे प्रिंटर कहते हैं, ये तीन प्रकार के होते हैं:-

1. Dot Matrix Printer
2. Laser Printer
3. Ink jet Printer.

Plotters →

ये भी Output Devices होते हैं जिसकी सहायता से कागज पर विभिन्न प्रकार के अन्य चार्ट के आकृतियाँ जैसे chart, graph, tall diagram, pictures computer design जैसी बातें लिख जा सकते हैं। इनका प्रयोग सभी किया जा सकता है जहाँ Printer द्वारा इस प्रकार के graphics प्राप्त करना मुश्किल हो जाय।

Monitor →

इसे visual display unit के नाम से जाना जाता है। बाहर आने वाली सूचना आपके PC के video के screen पर देखने को मिल जाती है।

CENTRAL Processing Unit (C.P.U)

यह कम्प्यूटर का ऐसा control part है जो input device और output device के अंतर्गत के तंत्र में होता है। कोई सूचना या आंकड़े कम्प्यूटर की input device द्वारा प्रदान किए जाते हैं जो वह आइएनटें गृहण करते इसके बाद आवश्यक कार्रवाई में जुट जाता है जो कि वांछित output प्राप्त किया जा सके। कम्प्यूटर के इसी भाग को C.P.U के नाम से पुकारा जाता है। इस CPU का जो हिस्सा है उसे जैसे वास्तविक processing के कार्य में पूरा करता है उसे micro processor कहा जाता है जिसको computer memory कहते हैं। CPU के दो part होते हैं।

1. Micro Processor
2. Computer Memory

1. Micro Processor → माइक्रो प्रोसेसर एक चिप के रूप में होता है। इसके संदर्भ में इंटेल द्वारा अब निर्धारित पहलियाँ व सबसे अधिक शक्तिशाली माइक्रो प्रोसेसर माना जाता है, जिनका बिलियन से अधिक कार्य कर सकता है या गृहण किया जा सकता है।

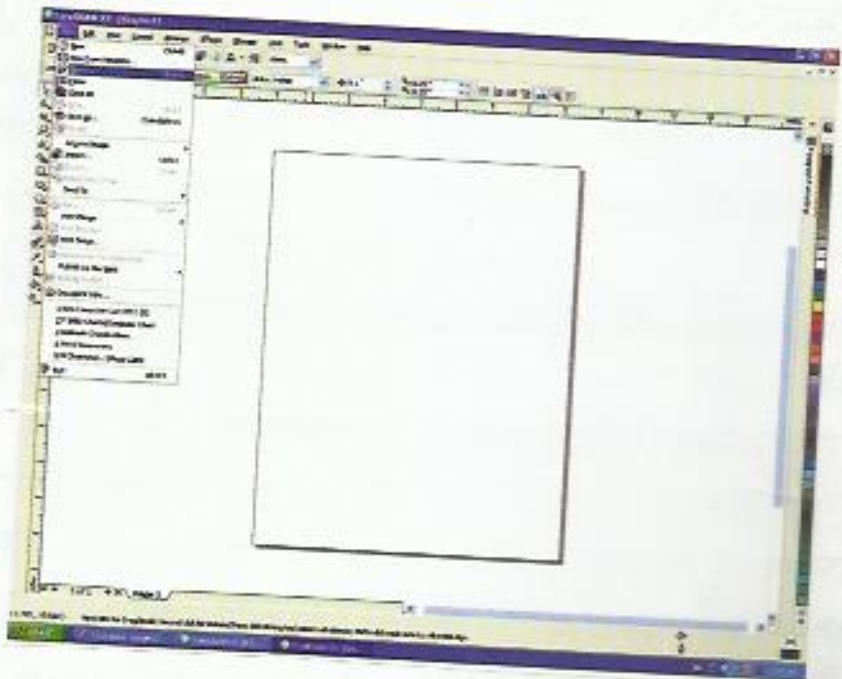
2. Computer Memory → जगति किसी भी कम्प्यूटर का वह हिस्सा होता है जिसके द्वारा सूचनाओं एवं आदेशों के भण्डारण एवं पुनः उदाहरण का कार्य किया जाता है। इसके लिए दो प्रकार की स्मृतियों का प्रयोग होता है। (1) Internal Memory (2) External Memory.



MICRO Soft Word

Micro soft word एक एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर है जो प्रमुख आधारित Documents (Text based document) के निर्माण परिवर्तन या नवीनीकृत और इसके प्रयोग में सहायता करता है। Microsoft नामक में उपलब्ध और word tool में गृहीत मुक्त सबसे लोकप्रिय word processing software है। word पर काम करते समय इस ऑपरेटर के अभाव पर अपने आपको कोन्ट्रोल कर सकता है। जल्दी जल्दी को वर्ड के साथ इसरी चीजों से सुकारा पाने को अनुमति का देता है। यह हमें वर्ड के बारे में सहाय देता है। यह हमें एप्लिके अंबंधी व वर्तनी अंबंधी गलतियों को बारे में सहाय देता है। एप्लिके के निर्धारित यह हमें पूरे कार्र को देकार करने को काम बड़ी आसानी से ऑपरेटर एप्लिके के लिए बहुत से tools उपलब्ध करता है। कुछ महत्वपूर्ण screen elements इस प्रकार है:

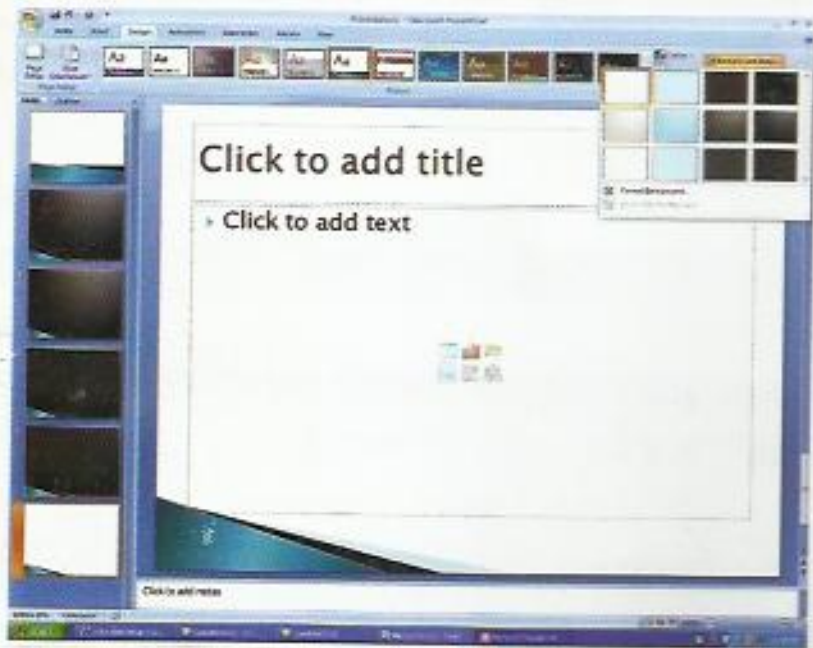
1. **Editing Area** → स्क्रीन का विस्तृत एक ही भाग Editing Area कहलाता है। जहाँ प्रमुख के type और edit के लिए उपयोग करते हैं।
2. **Title Bar** → स्क्रीन के टॉप पर जो Bar होता है उसे Title Bar कहते हैं। यह जिस Application पर कार्य कर रहे हैं, उसके बारे में सूचनाएँ प्रदायित करता है। Title Bar के बारे में Application के टॉप कोने में minimise और close button होते हैं।



Menu Bar →

मार्ग: यहाँ हम नज़र में उपलब्ध बहुत सारे मुख्य application की बात करते हैं। यह भी सगरी प्रकार के उपलब्ध विकल्पों के लिए visual clue उपलब्ध कराता है, जिसे पूरा करना होता है। word 2007 में उपलब्ध किया इस प्रकार है:-

1. **FILE** → File संबंधी विकल्पों जैसे नई file बनाना या वर्तमान file को save करने जैसे काम को पूरा करने के लिए।
2. **Edit** → विषय वस्तु के मूल सम्पादन के लिए।
3. **Insert** → प्रारंभ संख्या या स्थायी विषय वस्तु को प्रलेख में डालने के लिए।
5. **Format** → प्रलेख में विभिन्न विशेषताओं को जोड़ने के लिए जो प्रलेख के विषय वस्तु को बढ़ाए।
6. **Tools** → विभिन्न उपकरण प्रदान करने के लिए जैसे - ग्राहक कोश आदि।
7. **Table** → हमें Tabular Form में विवरण डालने के लिए व रखने के लिए अनुमति।
8. **Slide Show** → एक ही प्रलेख को विभिन्न तरीकों से दर्शने के लिए।



MS - POWER POINT

पावर प्वाइंट एक पूर्ण हस्तुतीकरण Graphics package है। यह एक चीज को व्यापारिक हस्तुतीकरण देता है। पावर प्वाइंट word processing को इसे -

Out lining - drawing, graphics and presentation management tools को आसानी से सिकरने एवं प्रयोग करने के लिए तैयार किया जाते हैं।

जब हम पावर प्वाइंट का प्रयोग करते हुए हस्तुतीकरण तैयार करते हैं तो ये हस्तुतीकरण स्लाइड की संख्या से बनता है। ये slide जिसे हम MS power point के प्रयोग से तैयार करते हैं। उसे उदितस्थ पारदर्शी या उदाल की slides की तरह भी हस्तुत किया जाता है।

slides के साथ-साथ हम शीता सूचना पत्र की उपरोजना एवं सिकरने की शीता सूचना पत्र शामिल है। हम इसके MS उत्पादों से निर्मित चीजों जैसे word और excel को अपनी slides में आसानी से सिकरते हैं।

HOW TO START MS POWER POINT

1. Start menu पर जाकर click करें।
2. वहाँ से Programme को चुने।
3. Sub menu में से micro soft point को चुनें है।
 वे एक और Dialogue Box Screen पर खुलता है।
 पहले एक नए हस्तुतीकरण की अनुमति देते हैं या वर्तमान में से उसे रनिकने की अनुमति देता है।



AUTO CONTACT WIZARD :

यह विजार्ड हमें नयी हुई साधारण प्रस्तुतियों को बनाने में मदद करता है।

DESIGN TEMPLATE →

Power Point Template को template प्रस्तुत करता है जिसमें से हम किसी नया भी चुनाव कर सकते हैं। ये template आवश्यक कारीगरों के द्वारा बनाया जाता है एवं प्रथम श्रेणी के साथ रंगीन Design को प्रस्तुत करता है।

Blank Presentation →

यह विषय slides को चुनाव एवं इनके विविध प्रकार से प्रसार करने की अनुमति देता है।

Format



INTERNET

इंटरनेट को आज के युग में अत्यन्त सबसे बड़े wide area network के तौर में जाना जाता है।
 Internet दुनिया की ऐसी सबसे बड़ी inter network system है जो दुनिया के हर कोने में स्थित उपयोग - क्लाइंटों को सुचनाओं के आदान - प्रदान और संप्रेषण के लिए सबसे तेज स्तर आसान और काम स्वच्छता प्रदान है। इस system ने सारी दुनिया को एक - दूसरे के बहुत करीब ला दिया है।
 Internet का प्रयोग दिन - प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसका प्रयोग उत्तर के प्रत्येक क्षेत्र में किया जा रहा है चाहे वह बिना से संबंधित हो या प्रौद्योगिकी से।

INTERNET PROTOCOL

इंटरनेट अपने operation के लिए अनेक hardware का प्रयोग करता है। इन computer की machines server के रूप में काम करती है। विशेष प्रकार के software server को अपने पारस्परिक सुचनाओं के आदान - प्रदान हेतु काम में लाती है। एक मशीन द्वारा काम में लाया जाने वाला software दूसरे के समक्ष में आना चाहिए। यह तभी संभव है जब प्रत्येक मशीन द्वारा प्रयोग में लाया जाने वाला software द्वारा किसी निश्चित नियमों की अनुपालन की जाए।



Internet में शामिल विभिन्न प्रकार computer hardware नाम में लाया जाते जाते software किन विभिन्न विधियों की अनुपस्थिति करते हैं। उन्हें ही Internet Protocol की संज्ञा दी जाती है।
 ये मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं: -

1. File Transfer Protocol (FTP)
2. Hyper Text Transfer Protocol (HTTP)

1. File transfer Protocol →

File transfer Protocol जिसे संक्षेप में F.T.P कहा जाता है एक ऐसा Protocol अर्थात् नियमवली होती है जो network में शामिल विभिन्न computers के बीच files के स्थानान्तरण करने काम में लगे जाती है। File transfer सुविधा के माध्यम से किसी file को एक computer से दूसरे computer में स्थानान्तरित किया जाता है। computers के बीच files को भेजने और महदा downloading का विशेष विभिन्न दो पदों uploading and down loading का प्रयोग किया जाता है।

2. Hyper Text transfer Protocol →

Hyper text transfer Protocol को संक्षेप में HTTP के नाम से जाना जाता है। इसके माध्यम से world wide web जिसे एक तरह से सुप-मार्ग का भ्रमणकार कहा जाता है, उसमें वास्तु शोभा बहुत आसानी तथा विविध सुस्त हो जाता है।

What the Internet Does



E-Mail

पुराने संचालित तरीकों में आप अपने पत्र या अन्य दस्तावेज अपने दोस्तों, रिश्तेदारों या परिचितों को डाक कारियर या विशेष डिडि संदेश वाहनों के द्वारा भेजते हैं, देश और देश के बाहर सुदूर और दुर्गम स्थानों में इस तरह के पत्र या दस्तावेजों को भेजना तथा गिनना जितना कठिन शक्यता व असुगठित हो सकता है। इस समस्या का शक्ति समाधान अब इंटरनेट द्वारा प्रदान इलेक्ट्रॉनिक मेल सेवा से संभव है।

ई-मेल से अभिप्राय इंटरनेट पर उपलब्ध उस साधन या सेवा से है जिसका उपयोग दुनिया के किसी कोने में हुए व्यक्तियों के बीच संदेश और दस्तावेजों के आदान-प्रदान हेतु किया जाता है। ई-मेल से कोई भी संदेश उसी क्षण में विकिष्ट भिना, परिचितों या रिश्तेदारों से उनके अपने घरों पर भेजा जा सकता है। जिस प्रकार आप किसी शादी या जन्मदिन का निमंत्रण पत्र भेजते हैं। अंतर कोडस संदेश भेजने के तरीके में है। ई-मेल में संदेश किसी को द्वारा बड़ी पहुँचाया जाता है। जबकि इंटरनेटवर्क पर इलेक्ट्रॉनिक संदेशों के रूप में एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर पर भेजा करते हुए, अपने गंतव्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

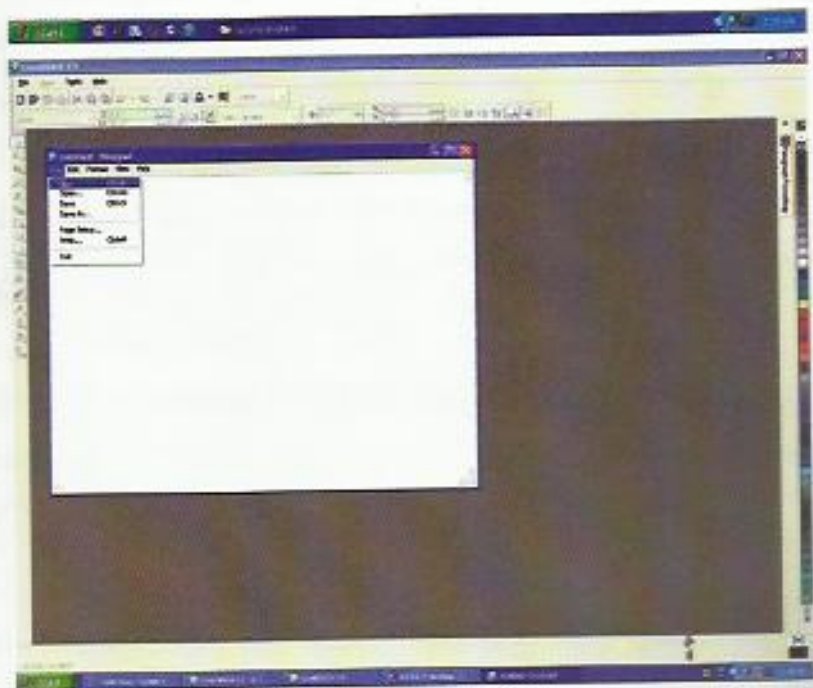
My Faves

- Weekly Faves **99%**
- E-mail
- Video
- Maps
- Search
- News
- Weather
- Community
- Shopping
- Travel
- Bestsellers
- Banks

World wide web (www)

World wide web को संक्षेप रूप में www या web कहते हैं। इस आज के समय में एक ही समय में असंमित उपयोगकर्ताओं को विद्यमान स्तर पर internet की बहुमूल्य अन्य स्तरीय योजनाओं सहित करने में web का काफी महत्वपूर्ण स्थान है। वर्तमान दृष्टि से web servers के रूप में स्थलों को अत्यन्त बढ़ते चले जा रहे काफी बड़ी प्रणाली है जो दुनिया के हर कोने में बैठ कर उपयोगकर्ताओं को net पर अपनी तरह की सुझावों और ज्ञान प्रदान करने की पूरी शक्ति रखती है। ये सुझावों और ज्ञान पाठ्य सामग्री शैक्षणिक आवाज और विभिन्न प्रकार के आंकड़ों के रूप में हो सकती है। web पर अत्यन्त इस प्रकार की सामग्री और आंकड़े व्यक्ति विशेष या संस्थाओं द्वारा अपनी-अपनी शक्ति और प्रयोजनों हेतु web के रूप में रखे जाते हैं। उपयोगकर्ता net पर web pages में अत्यन्त जिस सुझाव सामग्री में शक्ति रखते हैं, उसे वे अपने p.c पर एक ब्राउज़र प्रोग्राम जिसे web browser कहते हैं। इसके द्वारा अपनी सुविधानुसार सहज कर सकते हैं।

कोई भी संस्था या संगठन जिसका स्वस्थ औद्योगिक, व्यावसायिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक सामाजिक या है जैसा भी हो वह अपने उपयोगकर्ताओं को अपनी website के माध्यम से विभिन्न प्रकार के online सेवाओं अत्यन्त कर सकता है। web में अत्यन्त विभिन्न प्रकार की सुझाव



सामग्री तथा आंकड़ों को अपनी सवि-आवश्यकता
 और सुविधानुसार अज्ञातताओं द्वारा डाटा
 लोड किया जा सकता है।

